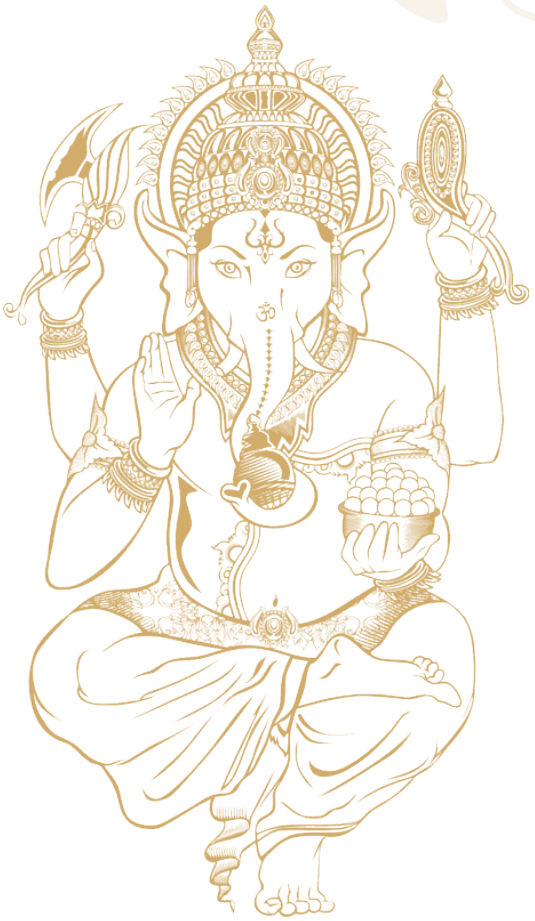

Saurabh

17 Dec 1997

11:10 PM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121417803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/12/1997**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**23:10:00 घंटे**
इष्ट	40:21:57 घटी
स्थान	**Agra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:52:00 घंटे
वेलान्तर	00:03:55 घंटे
साम्पातिक काल	04:37:33 घंटे
सूर्योदय	07:01:13 घंटे
सूर्यास्त	17:27:05 घंटे
दिनमान	10:25:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:59:49 धनु
लग्न के अंश	17:50:32 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वैधृति
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	17:50:32	319:17:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	---
सूर्य			धनु	01:59:49	01:01:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	16:02:27	12:31:42	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल			मक	05:45:05	00:46:52	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध	व	अ	धनु	01:01:05	01:22:58	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मक	25:35:46	00:11:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			मक	08:30:31	00:20:14	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	19:42:31	00:00:08	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	19:53:49	00:05:50	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	19:53:49	00:05:50	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	12:33:57	00:02:52	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	04:37:06	00:01:59	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	12:25:19	00:02:15	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			वृष	17:07:54	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:38

लग्न-चलित

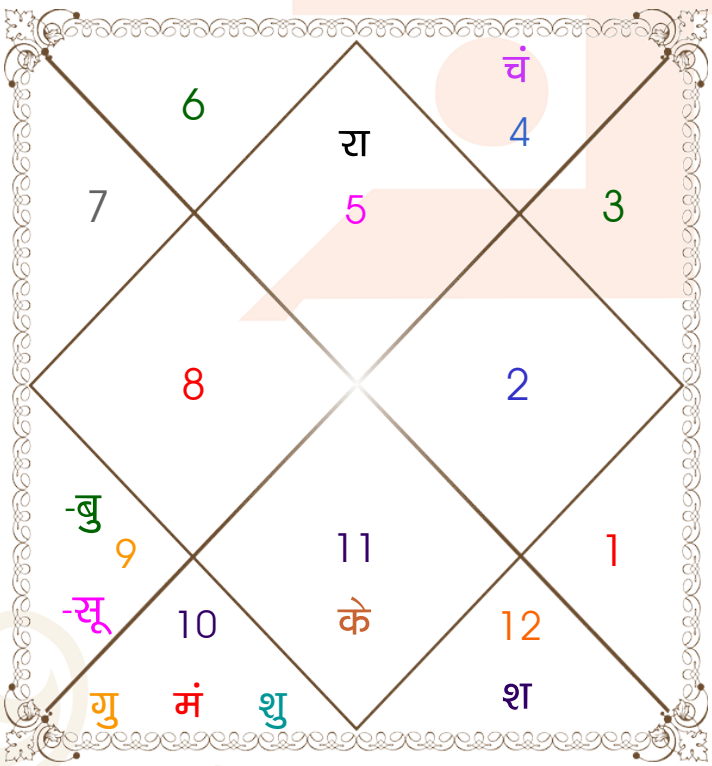

चन्द्र कुंडली

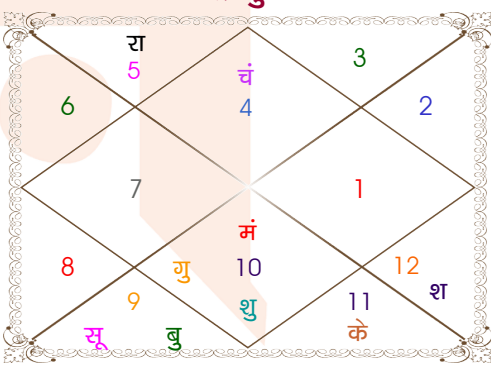

नवमांश कुंडली

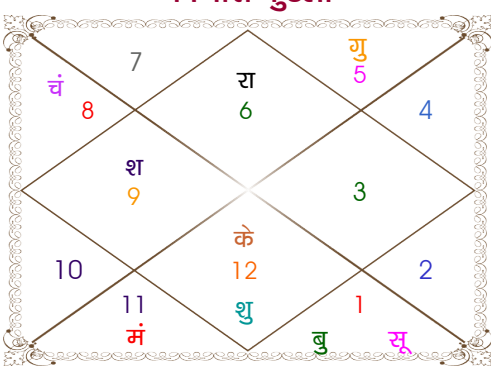

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 10 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/12/1997		08/11/1998		08/11/2015		08/11/2022		08/11/2042	
08/11/1998		08/11/2015		08/11/2022		08/11/2042		08/11/2048	
	00/00/0000	बुध	06/04/2001	केतु	06/04/2016	शुक्र	10/03/2026	सूर्य	26/02/2043
	00/00/0000	केतु	03/04/2002	शुक्र	06/06/2017	सूर्य	10/03/2027	चंद्र	27/08/2043
	00/00/0000	शुक्र	01/02/2005	सूर्य	12/10/2017	चंद्र	08/11/2028	मंगल	02/01/2044
	00/00/0000	सूर्य	08/12/2005	चंद्र	13/05/2018	मंगल	08/01/2030	राहु	26/11/2044
	00/00/0000	चंद्र	10/05/2007	मंगल	09/10/2018	राहु	08/01/2033	गुरु	14/09/2045
	00/00/0000	मंगल	06/05/2008	राहु	27/10/2019	गुरु	09/09/2035	शनि	27/08/2046
	00/00/0000	राहु	23/11/2010	गुरु	02/10/2020	शनि	08/11/2038	बुध	04/07/2047
	17/12/1997	गुरु	28/02/2013	शनि	11/11/2021	बुध	08/09/2041	केतु	08/11/2047
गुरु	08/11/1998	शनि	08/11/2015	बुध	08/11/2022	केतु	08/11/2042	शुक्र	08/11/2048

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/11/2048		08/11/2058		08/11/2065		08/11/2083		08/11/2099	
08/11/2058		08/11/2065		08/11/2083		08/11/2099		18/12/2117	
चंद्र	08/09/2049	मंगल	06/04/2059	राहु	21/07/2068	गुरु	27/12/2085	शनि	12/11/2102
मंगल	09/04/2050	राहु	24/04/2060	गुरु	15/12/2070	शनि	09/07/2088	बुध	22/07/2105
राहु	09/10/2051	गुरु	31/03/2061	शनि	21/10/2073	बुध	15/10/2090	केतु	31/08/2106
गुरु	07/02/2053	शनि	10/05/2062	बुध	09/05/2076	केतु	21/09/2091	शुक्र	31/10/2109
शनि	08/09/2054	बुध	07/05/2063	केतु	28/05/2077	शुक्र	22/05/2094	सूर्य	13/10/2110
बुध	08/02/2056	केतु	03/10/2063	शुक्र	27/05/2080	सूर्य	10/03/2095	चंद्र	13/05/2112
केतु	08/09/2056	शुक्र	02/12/2064	सूर्य	21/04/2081	चंद्र	09/07/2096	मंगल	22/06/2113
शुक्र	10/05/2058	सूर्य	09/04/2065	चंद्र	21/10/2082	मंगल	15/06/2097	राहु	28/04/2116
सूर्य	08/11/2058	चंद्र	08/11/2065	मंगल	08/11/2083	राहु	08/11/2099	गुरु	18/12/2117

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 10 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।